अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मई 2021

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : गायन - वादन (स्वरवाद्य)

दि. 10/10/2021 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) किन्ही पाँच प्रश्न के उत्तर लिखिए।
(२) सभी प्रश्नों के अंक समान है।

प्र. 1. नीचे दिये हुए पर्यायों में से सही पर्याय लिखें :- (15)

(1) कौनसा गीतप्रकार अधिकतर ताल आड़ाचौताल में गाया जाता हैं ?
- (अ) ठुमरी
- (ब) गझल
- (क) ख्याल
- (ड) धृपद

(2) विलंबित झूमरा ताल की कितनी मात्राए हैं ?
- (अ) 10
- (ब) 16
- (क) 14
- (ड) 12

(3) ठुमरी गायन के लिए कौनसा ताल उपयुक्त हैं ?
- (अ) दिपचंदी
- (ब) धमार
- (क) रूपक
- (ड) झपताल

(4) तोडी राग का ठाठ कौनसा हैं ?
(अ) मुलतानी
(ब) भैरवी
(क) तोडी
(ड) आसावरी

(5) बहार राग कौनसे ऋतू में गाया जाता हैं ?
(अ) वर्षा
(ब) शरद
(क) बसंत
(ड) मल्हार

(6) कौनसे राग में दोनो मध्यम नही लगते ?
(अ) ललत
(ब) बसंत
(क) मारुबिहाग
(ड) मुलतानी

(7) बिभास राग की जाति कौनसी हैं ?
(अ) ओडव संपूर्ण
(ब) षाडव
(क) ओडव-ओडव
(ड) संपूर्ण

(8) कौनसा राग रात्री के प्रथम प्रहर में गाया जाता हैं ?
(अ) भैरव
(ब) हिंडोल
(क) ललत
(ड) शुध्दकल्याण

(9) पलुस्कर लिपि में आधी मात्रा के लिए कौनसा चिन्ह हैं ?

(अ) o

(ब) +

(क) x

(ड) /\/\/

(10) पं. भातखंडे स्वरलिपि के अनुसार गमपध में हर एक स्वर की कितनी मात्रा हैं ?

(अ) $1/2$ मात्रा

(ब) $1/3$ मात्रा

(क) $1/4$ मात्रा

(ड) 4 मात्रा

(11) लाहोर में ''गांधर्व महाविद्यालय'' की स्थापना किसने की ?

(अ) पं. विष्णू नारायण भातखंडे

(ब) पं. विष्णू दिगंबर पलुस्कर

(क) विनायकबुवा पटवर्धन

(ड) अल्लादिया खाँ

(12) नीचे दिये गए कौनसे राग को शुध्द राग कहते हैं ?

(अ) भूपाली

(ब) शुध्द कल्याण

(क) बहार

(ड) मारुबिहाग

(13) ताल पंजाबी में खाली कौनसी मात्रा पर आती हैं ?

(अ) 9

(ब) 5

(क) 8

(ड) 7

(14) धमार गायन के लिए कौनसे तालवाद्य का प्रयोग होता हैं ?
(अ) पखावज
(ब) तबला
(क) मृदंग
(ड) डफ

(15) नीचे दिये पर्यायों में से 'तान का प्रकार' कौनसा हैं ?
(अ) आलाप
(ब) बोलआलाप
(क) कूट
(ड) मिंड

प्र. 2. (सा) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :- **(8)**

(1) राग तोडी में _____ मध्यम होता हैं।
(2) दुसरे ठाठ में प्रवेश करनेवाले राग को _____ कहते हैं।
(3) गंधर्वों द्वारा प्रयुक्त किए गए संगीत को _____ कहते थे।
(4) परमेलप्रवेशक राग का उदाहरण _____ हैं।
(5) राग पुरिया, मारवा सोहनी में _____ स्वर वर्जित हैं।
(6) अपने अपने अभिरूचिनुसार गाए जानेवाले उस प्रदेश के संगीत को _____ संगीत कहा जाता था।
(7) संगीत रत्नाकर में गायक वादकों के समूह को _____ कहा हैं।
(8) बसंत राग का समप्रकृतिक राग _____ हैं।

(रे) सही या गलत लिखे (✓, x) :- (7)

(1) कर्नाटक संगीत में जावली यह शृंगार रसप्रधान गीतप्रकार हैं।

(2) कर्नाटक संगीत में तिल्लाना यह गीतप्रकार उत्तर हिंदुस्थानी संगीत के ख्याल सदृश हैं।

(3) शारंगदेव ने उत्तम, मध्यम और अधम ऐसे 3 भेद वाग्गेयकार के गुणों के अनुसार किए हैं।

(4) 'संगीत रत्नाकर' यह ग्रंथ आचार्य मतंग ने लिखा हैं।

(5) गुरूदेव रवींद्रनाथ की रचनाएँ जिस ग्रंथ में प्रकाशित हुअी उसका नाम 'गीत वितान' हैं।

(6) राग मारुबिहाग एक प्राचीन राग हैं।

(7) ऋग्वेद को प्रथम वेद माना हैं।

प्र. 3. (सा) एक वाक्य में उत्तर लिखे :- (5)

(1) राग शुध्द कल्याण की जाति कौनसी हैं ?

(2) राग बसंत और पुरिया धनाश्री का ठाठ कौनसा हैं ?

(3) सोहनी राग का ठाठ कौनसा हैं ?

(4) कर्नाटक संगीत में कूल कितने स्वर हैं ?

(5) सारणा चतुष्टी का प्रयोग किन ग्रंथकारों ने किया ?

(रे) निम्नलिखित स्वरसमूह से राग पहचानिए तथा उनमें से एक राग का संपूर्ण परिचय लिखे :- (10)

(1) सां, नी ध नी ध मं ग, मं ध नीं सा

(2) सा म प, ग़ म नी़ ध

(3) नी़ रे़ ग म, मं म ग

(4) सा रे ग॒ म रे सा, ध॒ नी॒ रे सा

(5) मं ध॒ रें सां, नी ध॒ प मं ग मं ग .

प्र. 4. (सा) निम्नलिखित तालों का संपूर्ण परिचय देकर उनके ठेके सूचनानुसार लिखें :- (3+3+3)

(1) ताल पंजाबी – पं. भातखंडे लिपिनुसार

(2) ताल आडाचौताल – पं. पलुस्कर लिपिनुसार

(3) ताल झपताल – पं. भातखंडे लिपिनुसार

(२) उपर दिये हुए तालो में से किसी एक ताल की दुगुन और अन्य ताल की तिगुन लिखे। (3+3)

प्र. 5. राग मुलतानी अथवा पुरिया में विलंबित ख्याल अथवा मसीतखानी गत 3 आलापों के साथ पलुस्कर लिपि में स्वरतालबध्द करे। (15)

प्र. 6. अपने पाठ्यक्रम के साधारण ज्ञान के रागों में से किसी एक राग का छोटा ख्याल अथवा रजाखानी गत पं. भातखंडे पध्दतिनुसार लिपिबध्द करे। तथा 3 आलाप लिखे। (15)

प्र. 7. 'घराना' शब्द का अर्थ समझाकर किसी एक घराने का पूर्ण परिचय लिखे। मुख्य 4 घरानों के कलाकारों के नाम लिखें। (15)

प्र. 8. टिप्पणीयाँ लिखे (किन्ही तीन) :- (15)

(1) स्वस्थान नियम,

(2) गंधर्व गान,

(3) वृंदगान,

(4) मार्गी संगीत।

प्र. 9. किन्ही तीन रागों का पूर्ण परिचय लिखें :- **(15)**

(1) शुध्द कल्याण,

(2) सोहनी,

(3) मुलतानी,

(4) बसंत।

प्र. 10. विस्तार से समझाइयें (कोई तीन) :- **(15)**

(1) अविर्भाव तिरोभाव,

(2) अल्पत्त्व-बहुत्त्व,

(3) परमेलप्रवेशक राग,

(4) अर्ध्वदर्शक स्वर।